

Question Paper

Conducted by the Central Board of Secondary Education (CBSE)



Time Allowed: 3 Hours

Maximum Marks: 80

General Instructions

- (i) इस प्रश्न-पत्र में कुल 12 प्रश्न हैं। सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- (ii) प्रश्नों में दिए गए निर्देशों, आंतरिक विकल्पों तथा शब्द-सीमाओं का पालन कीजिए।
- (iii) यथासंभव प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।
- (iv) प्रश्न 3 में किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में लिखिए। प्रश्न 4 में किन्हीं चार के उत्तर लगभग 40 शब्दों में और प्रश्न 5 में किन्हीं दो के उत्तर लगभग 80 शब्दों में लिखिए।
- (v) प्रश्न 7 और 10 में किन्हीं दो-दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए। प्रश्न 8 और 11 में किन्हीं दो-दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए।
- (vi) प्रश्न 12 में किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में लिखिए।

1. संस्कृति और सभ्यता – ये दोनों दो शब्द हैं और उनका अर्थ भी अलग-अलग हैं। सभ्यता मनुष्य का वह गुण है जिससे वह अपनी बाहरी उन्नति करता है। संस्कृति मनुष्य का वह गुण है जिससे वह अपनी भीतरी उन्नति करता है, दया, ममता और परोपकार आदि सीखता है, गीत-नाद, कविता, चित्र और मूर्ति से आनन्द लेने की योग्यता हासिल करता है।

एक वह भी समय था जब आदमी को घर बनाना नहीं आता था, जब वह पेड़ की छाया या पहाड़ की खोह में वास करता था; जब खेती करना भी नहीं आता था और वह कन्द-मूल खाकर गुजारा करता था; जब उसे कपड़ा बुनना भी नहीं आता था और वह या तो निर्वस्त्र रहता था या पेड़ों की छाल या जानवरों की खाल पहनकर रहता था। इस हालत को मनुष्य की असभ्यता की हालत कहते हैं।

लेकिन, इस हालत से निकलकर आदमी ज्यों-ज्यों आगे बढ़ा, त्यों-त्यों वह सभ्य होता गया। यानी जब आदमी खेती करके अनाज उपजाने लगा, अनाज को आग से पकाकर खाने लगा, घर बनाकर रहने और कपड़े बुनकर उन्हें पहनने लगा, तब वह असभ्यता से निकलकर सभ्यता की ओर आने लगा।

आज भी रेलगाड़ी, मोटर और हवाई जहाज, लंबी-चौड़ी सड़कें और बड़े-बड़े मकान, अच्छा भोजन और अच्छी पोशाक, ये सभ्यता की पहचान हैं और जिस देश में इनकी जितनी ही अधिकता है उस देश को हम उतना ही सभ्य मानते हैं। मगर, संस्कृति इन सबसे भिन्न है। वह मोटर नहीं, मोटर बनाने की कला है; मकान नहीं, मकान बनाने की रुचि है। भोजन की सामग्री हम सभ्यता के जरिये पैदा करते हैं, लेकिन जिस ढंग से हम भोजन तैयार करते हैं और जिस कला से हम उसे खाते हैं वह हमारी संस्कृति कहलाती है।

1(i). संस्कृति सभ्यता से भिन्न है क्योंकि संस्कृति –

- | | |
|---|--|
| (A) सभ्यता की अपेक्षा स्थूल और विशद होती है | (B) सभ्यता की अपेक्षा अत्यंत सूक्ष्म होती है |
| (C) समन्वयमूलक है और सभ्यता सूक्ष्म होती है | (D) आदर्शमूलक है और सभ्यता यथार्थ होती है |

1(ii). गद्यांश के अनुसार 'सभ्यता' का अभिप्राय क्या है ?

- | | |
|--|-----------------------------------|
| (A) मानव को कलाकार बना देने की विशेषता | (B) मानव के स्वाधीन चिंतन की गाथा |
| (C) मनुष्य की ऐश्वर्यपूर्ण कहानी | (D) मनुष्य के भौतिक विकास का क्रम |

1(iii). निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यान से पढ़िए और सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प का चयन कर लिखिए :

कथन : संस्कृति से मनुष्य दया, ममता, परोपकार आदि गुण और कला का रसास्वादन करना सीखता है।

कारण : संस्कृति मनुष्य के मानवीय मूल्यों और कौशल का विकास करती है।

- | | |
|--|--------------------------------|
| (A) कथन सही है, कारण गलत है। | (B) कथन गलत है, कारण सही है। |
| (C) कथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है। | (D) कथन और कारण दोनों गलत हैं। |

1(iv). 'सभ्यता' और 'संस्कृति' के अंतर को उचित उदाहरण द्वारा स्पष्ट कीजिए।

1(v). 'सभ्यता और संस्कृति दोनों साथ-साथ चलते हैं' – कैसे ? उदाहरण देकर इस कथन की पुष्टि कीजिए।

1(vi). "संस्कृति असल में शरीर का नहीं आत्मा का गुण है।" इस कथन को गद्यांश के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

1(vii). सभ्यता के विकास से पूर्व मनुष्य की क्या स्थिति थी ? सभ्यता के विकास के क्या परिणाम हुए ?

2. धूप चमकती है चाँदी की साड़ी पहने
मैके में आई बेटी की तरह मगन है
फूली सरसों से आके लिपट गई है
जैसे दो हमजोली सखियाँ गले मिली हैं
सारंगी बजती है खेतों की गोदी में
दल-के-दल पक्षी उड़ते हैं मीठे स्वर के
अनावरण यह प्राकृत छवि की अमर भारती
रंग-बिरंगी पंखुरियों की खोल चेतना
सौरभ से मह-मह महकाता है दिगंत को
मानव-मन को भर देता है दिव्य दीप्ति से
शिव के नंदी-सा पानी पीता नदिका में
निर्मल नभ अवनी के ऊपर बिसुध खड़ा है
काल काग की तरह ठूँठ पर गुमसुम बैठा
सोई आँखों देख रहा है दिवावसान को।

2(i). काव्यांश में धूप को किस रूप में चित्रित किया गया है ?

- (A) चाँदी की साड़ी के रूप में (B) फूली सरसों के रूप में
(C) मैके में आई बेटी के रूप में (D) हमजोली सखी के रूप में
-

2(ii). फूली हुई सरसों से आकर कौन लिपट गई ?

- (A) धूप (B) हवा
(C) बेटी (D) चाँदनी
-

2(iii). खेतों की गोदी में सारंगी बजती है –

- (A) खेतों के बीच से गुजरती हवा की ध्वनि की (B) खेतों के ऊपर उड़ते पक्षियों के मीठे स्वरों की
(C) पक्षियों को उड़ाने के लिए किसान की बाँसुरी की (D) पक्षियों को बुलाने के लिए छोटे बच्चों की
-

2(iv). ठूँठ पर बैठे काल की तुलना किससे और किस आधार पर की गई है ?

2(v). नदी में पड़ते आकाश के प्रतिबिंब के बारे में कवि ने क्या कल्पना की है ? स्पष्ट कीजिए।

2(vi). काव्यांश के आधार पर ग्रामीण प्रकृति के सौंदर्य का वर्णन कीजिए।

3(i). निम्नलिखित दिए गए विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए :

जंक फूड का बढ़ता चलन

3(ii). निम्नलिखित दिए गए विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए :

महानगरों का बढ़ता आकर्षण

3(iii). निम्नलिखित दिए गए विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए :

बाज़ारों का बदलता स्वरूप

4(i). 'रेडियो मूलतः एकरेखीय (लीनियर) माध्यम है।' – कैसे ?

4(ii). एंकर-बाइट से क्या तात्पर्य है ?

4(iii). विशेष लेखन की भाषा-शैली सामान्य लेखन से किस प्रकार भिन्न है ? स्पष्ट कीजिए।

4(iv). समाचार और फीचर में क्या अंतर है ? उल्लेख कीजिए।

4(v). विश्लेषणात्मक रिपोर्ट किसे कहते हैं ?

5(i). 'अप्रत्याशित विषयों पर लिखने से लेखन पर पकड़ मजबूत होती है।' – कैसे ? स्पष्ट कीजिए।

5(ii). कहानी के पात्रों के नाट्य रूपांतरण में किन बातों का ध्यान रखना चाहिए ? स्पष्ट कीजिए।

5(iii). रेडियो नाटक के लिए कहानी का चयन करते समय किन महत्वपूर्ण बातों का ध्यान रखना आवश्यक है और क्यों ?

6. भोर का नभ

राख से लीपा हुआ चौका

(अभी गीला पड़ा है)

बहुत काली सिल ज़रा से लाल केसर से

कि जैसे धूल गई हो

स्लेट पर या लाल खड़िया चाक

मल दी हो किसी ने

नील जल में या किसी की

गौर झिलमिल देह

जैसे हिल रही हो।

6(i). काव्यांश में 'काली सिल' उपमान किसके लिए प्रयुक्त किया गया है ?

- (A) अंधकार से युक्त प्रकृति (B) अँधेरे से युक्त आसमान
(C) अंधकार से युक्त पृथ्वी (D) रात्रि का अंधकार

6(ii). 'बहुत काली सिल जरा से लाल केसर से' – पंक्ति का सही अर्थ है –

- (A) भोर का आकाश लालिमा से युक्त है। (B) भोर का आकाश काला है।
(C) भोर में केसर को धोया गया है। (D) भोर में काली सिल को धोया गया है।

6(iii). इस काव्यांश में कवि ने उषा का कौन-सा चित्र प्रस्तुत किया है ?

- (A) छायाचित्र (B) रेखाचित्र
(C) शब्दचित्र (D) भित्तिचित्र

6(iv). कवि द्वारा भोर को 'राख से लीपा हुआ चौका' कहना प्रतिपादित करता है कि भोर का नभ :

- (A) अपनी आभा से चमत्कृत कर रहा है। (B) प्राकृतिक सुंदरता को बढ़ा रहा है।
(C) सफेद व नीले वर्णों का अद्भुत मिश्रण है। (D) नए परिवर्तनों व आयामों का प्रतीक है।

6(v). 'नील जल में या किसी की गौर झिलमिल देह' – का वर्णन किस अनुभूति से संबंधित है ?

- (A) निर्मलता और उज्ज्वलता (B) कृत्रिमता और पवित्रता
(C) कोमलता और सुंदरता (D) विस्मय और रहस्य

7(i). "सब घर एक कर देना" – पंक्ति का बच्चों और कविता के संदर्भ में क्या औचित्य है ? 'कविता के बहाने' कविता के आधार पर लिखिए।

7(ii). 'कैमरे में बंद अपाहिज' कविता को आप करुणा की कविता मानते हैं या क्रूरता की ? तर्क सहित उत्तर लिखिए।

7(iii). 'तुलसीदास का युग बेरोजगारी से त्रस्त था' – 'कवितावली' के संदर्भ में इस कथन को सिद्ध कीजिए।

8(i). 'पतंग' कविता में कवि ने भादो के समाप्त होने के बाद प्रकृति में आए परिवर्तनों को कैसे अभिव्यक्त किया है ? स्पष्ट कीजिए।

8(ii). 'बादल राग' कविता में 'जीवन का पारावार' किसे कहा गया है और क्यों ?

8(iii). 'बात सीधी थी पर' कविता के संदर्भ में 'भाषा में पेंच कसना' के आशय को स्पष्ट कीजिए।

9. अँधेरी रात चुपचाप आँसू बहा रही थी। निस्तब्धता करुण सिसकियों और आहों को बलपूर्वक अपने हृदय में ही दबाने की चेष्टा कर रही थी। आकाश में तारे चमक रहे थे। पृथ्वी पर कहीं प्रकाश का नाम नहीं। आकाश से टूटकर यदि कोई भावुक तारा पृथ्वी पर जाना भी चाहता तो उसकी ज्योति और शक्ति रास्ते में ही शेष हो जाती थी। अन्य तारे उसकी भावुकता अथवा असफलता पर खिलखिलाकर हँस पड़ते थे।

सियारों का क्रंदन और पेचक की डरावनी आवाज़ कभी-कभी निस्तब्धता को अवश्य भंग कर देती थी। गाँव की झोंपड़ियों से कराहने और कै करने की आवाज़, 'हरे राम ! हे भगवान !' की टेर अवश्य सुनाई पड़ती थी। बच्चे भी कभी-कभी निर्बल कंठों से 'माँ-माँ' पुकारकर रो पड़ते थे। पर इससे रात्रि की निस्तब्धता में विशेष बाधा नहीं पड़ती थी।

कुत्तों में परिस्थिति को ताड़ने की एक विशेष बुद्धि होती है। वे दिन-भर राख के धूरों पर गठरी की तरह सिकुड़कर, मन मारकर पड़े रहते थे। संध्या या गंभीर रात्रि को सब मिलकर रोते थे।

9(i). अँधेरी रात चुपचाप आँसू क्यों बहा रही थी ?

- (A) जंगली पशुओं की डरावनी आवाज के कारण
(B) प्रकृति की असमर्थता व विवशता के कारण
(C) महामारी के कारण गाँव वालों की असहाय स्थिति से दुखी होने के कारण
(D) रात में व्याप्त अंधकार और सन्नाटे के डर के कारण

9(ii). स्तंभ-I को स्तंभ-II से सुमेलित कीजिए और सही विकल्प चुनकर लिखिए :

स्तंभ-I	स्तंभ-II
क. प्रकाश का नाम नहीं	(i) हार न मानना
ख. तारे की ज्योति और शक्ति का शेष होना	(ii) आशा और जिजीविषा का अभाव
ग. चित न होना	(iii) पीड़ित गाँव वालों की मदद न कर पाना

- (A) क-(iii), ख-(i), ग-(ii) (B) क-(ii), ख-(iii), ग-(i)
(C) क-(i), ख-(ii), ग-(iii) (D) क-(i), ख-(iii), ग-(ii)

9(iii). रात्रि के भयावहपन का उल्लेख किस प्रभाव को दर्शाने के लिए किया गया है ?

- (A) महामारी की भयानकता और दुष्प्रभाव का उल्लेख करने हेतु
(B) निस्तब्धता में मानवीय पीड़ा की झलक दिखाने हेतु
(C) रात्रि में भी गाँव में हलकी चहल-पहल बताने हेतु
(D) रात में बच्चों के उत्साह व निडरता का प्रदर्शन करने हेतु

9(iv). गद्यांश में इनमें से किसका उल्लेख नहीं मिलता है ?

- (A) रात्रि की निस्तब्धता (B) तारों की भावुकता
(C) उत्तेजना युक्त उत्साह (D) आहों का हृदय में दबना

9(v). 'पेचक की डरावनी आवाज़' का प्रतीकार्थ है –

- (A) जीव-जंतुओं की सक्रियता (B) मृत्यु या अनिष्ट की आहट
(C) पक्षियों की स्वाभाविक ध्वनि (D) ग्रामीण परिवेश की सजीवता

10(i). महादेवी वर्मा ने भक्तिन के साथ अपने संबंध को किस रूप में महसूस किया ? 'भक्तिन' पाठ के आधार पर लिखिए।

10(ii). 'काले मेघा पानी दे' पाठ में लोक-प्रचलित विश्वास और विज्ञान के द्वंद्व का चित्रण किस प्रकार किया गया है ?

10(iii). श्रम विभाजन किसे कहते हैं ? सभ्य समाज के लिए इसकी क्या आवश्यकता है ?

11(i). 'बाज़ार दर्शन' पाठ के आधार पर भगत जी के चरित्र की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

11(ii). 'शिरीष के फूल' निबंध के आधार पर लिखिए कि पाठ में शिरीष के फूल की तुलना किससे और क्यों की गई है ?

11(iii). " 'दासता' केवल कानूनी पराधीनता को ही नहीं कहा जा सकता।" इस कथन के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि डॉ. भीमराव आंबेडकर ने 'मेरी कल्पना का आदर्श समाज' में 'दासता' को किन व्यापक अर्थों में परिभाषित किया है ?

12(i). " 'सिल्वर वैडिंग' कहानी वर्तमान युग में बदलते हुए जीवन मूल्यों की कहानी है।" स्पष्ट कीजिए कि ये जीवन मूल्य कौन-से हैं और क्यों बदल रहे हैं।

12(ii). "यह खेती हमें गड्डे में धकेल रही है। पढ़ जाऊंगा तो नौकरी लग जाएगी, चार पैसे हाथ में रहेंगे।" – 'जूझ' पाठ से उद्धृत इस कथन के संदर्भ में ग्रामीण युवाओं की मानसिक स्थिति का वर्णन कीजिए।

12(iii). लेखक ने सिंधु घाटी सभ्यता के सबसे बड़े नगर मुअनजो-दड़ो की नगर-योजना की तुलना आज के नगरों से किस प्रकार की है ? 'अतीत में दबे पाँव' पाठ के आधार पर विवेचना कीजिए।

- End of Question Paper -